

CBSE Class 10 Hindi A Answer Key 2022 (May 18, Set 1 - 3/3/1)

अत्यंत गोपनीय: केवल आंतरिक और सीमित प्रयोग हेतु

सेकेंडरी स्कूल टर्म II परीक्षा 2022

अंक-योजना / हिंदी (A), कोड- 002

कक्षा- 10 वीं प्रश्न पत्र 3/3/1

सामान्य निर्देश:

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के लिए भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ और समझ लें।
2. मूल्यांकन एक गोपनीय नीति है। आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित होने की वजह से मूल्यांकन की गोपनीयता अनिवार्य है। सार्वजनिक रूप से किसी भी तरह इसके लीक होने पर परीक्षा-प्रणाली पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है जो लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना आईपीसी (IPC) के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन समग्रता पूर्वक और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालांकि मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित और नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ। कक्षा दसवीं के प्रश्न पत्र में दिए गए दक्षता आधारित (**competency based**) प्रश्नों के मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें; उनके उत्तर चाहे अंक योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों तब भी सही दक्षताओं की परिगणना की गई हो तो अंक दिए जाने चाहिए।
4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब आप आश्वस्त हो, कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (✓) लगाएँ और गलत उत्तर के लिए गलत का (x)। मूल्यांकन करता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।
6. यदि किसी प्रश्न के उपभाग भी हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।
7. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।
8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर भी लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।
9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।
10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-40 (उदाहरण 0-40 अंक जैसा कि प्रश्न पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 40 अंक देने में संकोच न करें।
11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात् 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की 30 उत्तर पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 35 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं –
 - उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
 - उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
 - उत्तर के लिए दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
 - उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
 - आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि
 - योग करने में अंकों और शब्द में अंतर होना।
 - उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
 - कुल अंकों के योग में अशुद्धि

- उत्तरों पर सही का चिह्न (✓) करना किंतु अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि (✓) या (x) का उपयुक्त निशान ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
 - उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।
13. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
14. उत्तर पुस्तिका पर किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना मूल्यांकन कार्य में लगे सभी लोगों की छवि को और माध्यमिक शिक्षा परिषद की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
15. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
16. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
17. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है।

अंक-योजना मार्च, 2022

प्रश्न पत्र 3/3/1

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
1	(ग)	<p>प्रश्न – लेखक को नवाब साहब का मौन रहना और बातें करना दोनों ही अच्छा नहीं लग रहा था, क्यों? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर लिखिए।</p> <p><u>उत्तर – नवाब साहब के मौन से लेखक को प्रतीत हो रहा था :</u></p> <ul style="list-style-type: none">• अहंकार• उपेक्षापूर्ण व्यवहार <p><u>नवाब साहब की बातों से लेखक को प्रतीत हो रहा था :</u></p> <ul style="list-style-type: none">• औपचारिकता का दिखावा• शराफ़त का ढोंग	1+1=2
	(घ)	<p>प्रश्न – 'लखनवी अंदाज़' पाठ में नवाब साहब ने लेखक को खीरे की क्या विशेषता बताई और क्या वह सही थी?</p> <p><u>उत्तर – विशेषताएँ –</u></p> <ul style="list-style-type: none">• लखनऊ का बालम खीरा• स्वादिष्ट होता है। /• आसानी से नहीं पचता। / <p>– पाठ के अनुसार खीरे की विशेषताएँ सही थीं।</p>	1+1=2
2	2	<p>प्रश्न – निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए :</p>	
	(क)	<p>प्रश्न – 'उत्साह' कविता में बादल किनके प्रतीक हैं? कविता के आधार पर दो बिंदुओं को लिखिए।</p>	

अंक-योजना मार्च, 2022

प्रश्न पत्र 3/3/1

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
		उत्तर - <ul style="list-style-type: none">• क्रांति-चेतना• सुख और आनंद• नवनिर्माण• उत्साह / ओज• परिवर्तन (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
(ख)	प्रश्न - 'अट नहीं रही है' कविता के शीर्षक की सार्थकता तर्क सहित सिद्ध कीजिए।	उत्तर - <ul style="list-style-type: none">• शीर्षक सटीक, संक्षिप्त और कविता के मूल भाव से संबंधित• फागुन का प्राकृतिक सौंदर्य आँखों में समा न पाने का भाव	1+1=2
(ग)	प्रश्न - 'पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की' - 'कन्यादान' कविता में लड़की के बारे में ऐसा क्यों कहा गया है? स्पष्ट कीजिए।	उत्तर - <ul style="list-style-type: none">• 'कन्यादान' कविता में लड़की अपरिपक्व, भोली-भाली और मासूम थी।• वह जीवन के कठोर यथार्थ, समाज की कठिनाइयों से अपरिचित थी।• माँ के आश्रय में जीवन के सुख से परिचित, किंतु दुख से अपरिचित थी।• कल्पनालोक में विचरण करने वाली थी। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+1=2

अंक-योजना मार्च, 2022

प्रश्न पत्र 3/3/1

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
2	(घ)	प्रश्न - 'कन्यादान' कविता में माँ के द्वारा बेटी को दी गई प्रमुख सीखों का उल्लेख कीजिए। उत्तर - <ul style="list-style-type: none">• अपने सौंदर्य पर मुग्ध न होना• अत्याचार के सामने कभी न झुकना• वस्त्र और आभूषण के मोह में न फँसना• स्त्री सुलभ गुणों से युक्त होते हुए सशक्त और समर्थ होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	1+1=2
3	3	प्रश्न - निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : (क) प्रश्न - 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर बालक भोलानाथ के भयभीत हो जाने वाली घटना का उल्लेख कीजिए। भयभीत भोलानाथ पिता के पास न जाकर माँ के पास ही क्यों गया? उत्तर - घटना : टीले पर चूहों के बिल में पानी उलीचना, साँप का निकलना, भोलानाथ का भयभीत होना कारण : <ul style="list-style-type: none">• पिता की अपेक्षा माँ पर अधिक विश्वास• माँ की गोद में सुरक्षा का भाव (उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)	2+1=3
	(ख)	प्रश्न - 'जॉर्ज पंचम की नाक' के आधार पर बताइए कि रानी एलिजाबेथ	

अंक-योजना मार्च, 2022

प्रश्न पत्र 3/3/1

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
3	(ग)	<p>के भारत आगमन के समय जो पत्रकार उनसे जुड़ी छोटी-छोटी खबरें छाप रहे थे, उनके आगमन पर एकदम चुप क्यों थे।</p> <p>उत्तर -</p> <ul style="list-style-type: none">• जॉर्ज पंचम की मूर्ति पर जीवित व्यक्ति की नाक लगाए जाने पर देश के अपमान से आहत होने के कारण प्रतीकात्मक मौन विरोध• महारानी के आगमन को महत्व न देना• मुखर विरोध का साहस न होना• मानसिक गुलामी से मुक्त होने का संकेत (कोई तीन बिंदु अपेक्षित) <p>प्रश्न - 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में सैनिकों की किन कठिनाइयों का उल्लेख है? क्या वर्तमान में उनकी स्थिति में सुधार आया है? पाठ के आधार पर तर्क सहित उत्तर दीजिए।</p> <p>उत्तर -</p> <ul style="list-style-type: none">• प्रतिकूल प्राकृतिक परिस्थितियों / चुनौतियों का सामना• दुर्गम पहाड़ों पर रास्ता बनाने जैसे दुःसाध्य कार्य करते हुए जान जोखिम में डालना <p>(प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)</p> <p><u>उदाहरणार्थ -</u></p> <p><u>वर्तमान में सुधार -</u></p> <ul style="list-style-type: none">• तकनीक के विकास के कारण प्राकृतिक प्रतिकूलता से लड़ने की सुविधाओं में वृद्धि हुई है। <p><u>वर्तमान में सुधार नहीं -</u></p> <ul style="list-style-type: none">• प्राकृतिक प्रतिकूलता पहले से बढ़ी है इसलिए परिस्थितियाँ ज्यों की त्यों हैं।	1+1+1=3

अंक-योजना मार्च, 2022

प्रश्न पत्र 3/3/1

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
4	4	<ul style="list-style-type: none">• और अधिक दुर्गम स्थानों तक सैनिक जा रहे हैं तो चुनौतियाँ और बढ़ गई हैं। <p style="text-align: center;">खंड 'ख' (रचनात्मक लेखन)</p> <p>प्रश्न – निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :</p> <p>(क) वन संरक्षण : प्राथमिकता</p> <ul style="list-style-type: none">• मनुष्य और वन में अटूट संबंध• संरक्षण प्रथम आवश्यकता क्यों?• वन संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों का प्रभाव• सुझाव <p>(ख) स्वरोजगार : एक कदम विकास की ओर</p> <ul style="list-style-type: none">• स्वरोजगार की आवश्यकता क्यों?• भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव• बाधाएँ• सुझाव <p>(ग) मोबाइल : शिक्षा जगत में क्रांति का आधार</p> <ul style="list-style-type: none">• वर्तमान में शिक्षा जगत में इसकी अनिवार्यता• सकारात्मक प्रभाव• दुष्प्रभाव• सुझाव	2+1=3

अंक-योजना मार्च, 2022

प्रश्न पत्र 3/3/1

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
5	(क) (ख)	<p>उत्तर - <u>अनुच्छेद-लेखन</u></p> <ul style="list-style-type: none">• भूमिका + निष्कर्ष = 1 अंक• विषयवस्तु = 3 अंक• भाषा शुद्धता = 1 अंक <p><u>विशेष निर्देश :-</u></p> <ul style="list-style-type: none">• दिए गए संकेत बिंदुओं को शामिल करते हुए यथोचित विषय-वस्तु लेखन, स्तरीय और रचनात्मक भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ।• भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है।• सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।• प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। <p>खाने-पीने की ग़लत आदतों के कारण आपका मित्र मोटापे का शिकार हो गया है। उसे संतुलित आहार एवं योग का महत्त्व बताते हुए लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।</p> <p>अथवा</p> <p>अपने क्षेत्र में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना करने का अनुरोध करते हुए लगभग 120 शब्दों में स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखिए।</p> <p>उत्तर - <u>पत्र-लेखन</u></p>	5

अंक-योजना मार्च, 2022

प्रश्न पत्र 3/3/1

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
		<ul style="list-style-type: none">• प्रारूप (आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ) = 1 अंक• विषयवस्तु = 3 अंक• भाषा शुद्धता = 1 अंक <p><u>विशेष निर्देश :-</u></p> <ul style="list-style-type: none">• उपयुक्त प्रारूप होने पर ही पत्र माना जाए और अंक दिए जाएँ।• प्रारूप और आरंभ-अंत की औपचारिकताओं में किसी तरह का रूढ़ बंधन तय नहीं किया जाए। (दाएँ-बाएँ, सेवा में आदि पर अतिरिक्त ध्यान न दिया जाए)• प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ।• भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है।• सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	5
6	(i)(क)	लॉक डाउन के दौरान आर्थिक संकट से गुजर रहे मूर्तिकारों की सहायता हेतु स्थापित संस्था 'शिल्पी' के प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। अथवा	
	(ख)	सोलर पंखे बनाने वाली कंपनी 'मुक्ति' के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।	

अंक-योजना मार्च, 2022

प्रश्न पत्र 3/3/1

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
	(ii)(क)	'रक्तदान' के प्रति आम लोगों में जागरूकता लाने के लिए 'स्वास्थ्य मंत्रालय' के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। अथवा (ख) चश्मा बनाने एवं बेचने वाली कंपनी 'दृष्टि' के प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। उत्तर - <u>विज्ञापन-लेखन</u> • रचनात्मकता + प्रस्तुति = 1 अंक • विषयवस्तु = 1 अंक • भाषा शुद्धता = 1/2 अंक = 2 1/2 अंक <u>विशेष निर्देश :-</u> • विज्ञापन लेखन में रंगों और चित्रों का प्रयोग अनिवार्य नहीं है। इसके लिए अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम आधा अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	2 1/2 + 2 1/2 = 5
7	(i)(क)	आपकी बड़ी बहन राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एन.ई.ई.टी.) की तैयारी कर रही है। उसमें उनकी सफलता के लिए लगभग 40 शब्दों में शुभकामना संदेश लिखिए। अथवा	

अंक-योजना मार्च, 2022

प्रश्न पत्र 3/3/1

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ')

कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न अनुभाग	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक - विभाजन
7	(ख) (ii)(क) (ख)	<p>राष्ट्रीय हिंदी निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर छोटे भाई को लगभग 40 शब्दों में बधाई संदेश लिखिए।</p> <p>'गुड़ी पड़वा' के अवसर पर महाराष्ट्र निवासी अपने मित्र को लगभग 40 शब्दों में शुभकामना संदेश लिखिए।</p> <p>अथवा</p> <p>'हिंदी दिवस' के सफल आयोजन के लिए छात्रों की ओर से लगभग 40 शब्दों में साधुवाद बधाई संदेश लिखिए।</p> <p>उत्तर - संदेश-लेखन</p> <ul style="list-style-type: none">• प्रारूप = ½ अंक• विषयवस्तु = 1½ अंक• भाषा शुद्धता = ½ अंक = 2½ अंक <p>विशेष निर्देश -</p> <ul style="list-style-type: none">• संदेश लेखन का कोई निश्चित प्रारूप नहीं है फिर भी प्रश्नानुकूल उपयुक्त प्रारूप को आवश्यक माना जाए। एक सामान्य प्रारूप के भीतर लेखन को ही संदेश माना जाए।• प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ।• भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम आधा अंक काटा जा सकता है।• सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	2½+2½=5